॥ सरस्वत्यष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम् ॥

॥ ध्यानम् ॥

या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता
या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना।
या ब्रह्माच्युतशङ्करप्रभृतिभिर्देवैः सदा पूजिता
सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा॥

॥ स्तोत्रम् ॥

सरस्वती महाभद्रा महामाया वरप्रदा।
श्रीप्रदा पद्मनिलया पद्माक्षी पद्मवक्त्रका॥ १ ॥

शिवानुजा पुस्तकभृज्ज्ञानमुद्रा रमा परा।
कामरूपा महाविद्या महापातकनाशिनी॥ २ ॥

महाश्रया मालिनी च महाभोगा महाभुजा।
महाभागा महोत्साहा दिव्याङ्गा सुरवन्दिता॥ ३ ॥

महाकाली महापाशा महाकारा महाङ्कुशा।
पीता च विमला विश्वा विद्युन्माला च वैष्णवी॥ ४ ॥

चन्द्रिका चन्द्रवदना चन्द्रलेखविभूषिता।
सावित्री सुरसा देवी दिव्यालङ्कारभूषिता॥ ५ ॥

वाग्देवी वसुदा तीव्रा महाभद्रा महाबला।
भोगदा भारती भामा गोविन्दा गोमती शिवा॥ ६ ॥

जटिला विन्ध्यवासा च विन्ध्याचलविराजिता।
चण्डिका वैष्णवी ब्राह्मी ब्रह्मज्ञानैकसाधना॥ ७ ॥

सौदामिनी सुधामूर्तिः सुभद्रा सुरपूजिता।
सुवासिनी सुनासा च विनिद्रा पद्मलोचना॥ ८॥

विद्यारूपा विशालाक्षी ब्रह्मजाया महाफला।
त्रयीमूर्ती त्रिकालज्ञा त्रिगुणा शास्त्ररूपिणी॥ ९॥

शुम्भासुरप्रमथिनी शुभदा च स्वरात्मिका।
रक्तबीजनिहन्त्री च चामुण्डा चाम्बिका तथा॥ १०॥

मुण्डकायप्रहरणा धूम्रलोचनमर्दना।
सर्वदेवस्तुता सौम्या सुरासुरनमस्कृता॥ ११॥

कालरात्रिः कलाधारा रूपसौभाग्यदायिनी।
वाग्देवी च वरारोहा वाराही वारिजासना॥ १२॥

चित्राम्बरा चित्रगन्धा चित्रमाल्यविभूषिता।
कान्ता कामप्रदा वन्द्या विद्याधरसुपूजिता॥ १३॥

श्वेतानना नीलभुजा चतुर्वर्गफलप्रदा।
चतुराननसाम्राज्या रक्तमध्या निरञ्जना॥ १४॥

हंसासना नीलजङ्घा ब्रह्मविष्णुशिवात्मिका।
एवं सरस्वतीदेव्या नाम्नामष्टोत्तरं शतम्॥ १५॥

॥ इति श्री-सरस्वत्यष्टोत्तरशतनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥

This stotra can be accessed in multiple scripts at:
http://stotrasamhita.net/wiki/Saraswati_Ashtottara_Shatanama_Stotram.
generated on **August 16, 2026**
Downloaded from http://stotrasamhita.github.io | StotraSamhita | Credits